भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग

 **राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्या: 2437**

**बुधवार, 08 अगस्त, 2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**आधारभूत क्षेत्र में निम्नवृद्धि दर**

**अता.प्र.सं. 2437. श्री भुवनेश्वर कालिताः**

**क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार द्वारा जारी आंकड़े आधारभूत क्षेत्र की कम वृद्धि दर दर्शाते हैं;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आधारभूत क्षेत्र औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आई आई पी) को किस सीमा तक प्रभावित करेगा; और

(घ) क्या सरकार द्वारा स्थिति में सुधार करने के लिए कोई कार्रवाई की गई है?

**उत्‍तर**

**वाणिज्‍य और उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री सी.आर. चौधरी)**

**(क) और (ख):** उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 8 प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आईसीआई) के परिप्रेक्ष्य में प्रमुख क्षेत्रों में जून, 2018 मास में वृद्धि दर, 6.7% रही जो दिसंबर, 2017 के बाद सबसे अधिक है। पिछले 3 वर्षों और अप्रैल-जून 2018-19 के दौरान, आईसीआई की वृद्धि का ब्यौरा निम्नलिखित सारणी में दिया गया हैः

|  |
| --- |
| 8 प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में वृद्धि (%) (आधार वर्ष 2011-12) |
|  | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | अप्रैल-जून\* 2018-19 |
| आईसीआई वृद्धि (%) | 3.0 | 4.8 | 4.3 | 5.2 |
| स्रोतः आर्थिक सलाहकार कार्यालय, डीआईपीपी(\*) अनन्तिम |

**(ग):** आधार वर्ष 2011-12 के सन्दर्भ में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल मदों का 40.27%, 8 प्रमुख उद्योग में निहित है।

**(घ):** सरकार औद्योगिक वृद्धि को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है जिसमें अवसंरचना सहित अनुकूल व्यावसायिक परिवेश के सृजन के लिए नीतिगत फ्रेमवर्क तैयार करना, अवसंरचना नेटवर्क मजबूत करना, आवश्यक जानकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना शामिल है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति और प्रक्रियाओं को लगातार सरल और उदार बनाया गया है। सरकार ने व्यवसाय की आसानी में सुधार के भी कई प्रयास किए हैं। शासन को अधिक दक्ष और प्रभावी बनाने के लिए मौजूदा नियमों का सरल और तर्कसंगत बनाने तथा सूचना प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया गया है।

\*\*\*\*\*